बीसीजी वैक्सीन

सन्दर्भ:

- एक नए अध्ययन में कहा गया है कि बीसीजी वैक्सीन (जो आमतौर पर तपेदिक को रोकने के लिए दी जाती है) स्वास्थ्य कर्मियों को Covid-19 संक्रमण के खिलाफ कोई महत्वपूर्ण सुरक्षा प्रदान नहीं करती है।

मुख्य विशेषताएं:

- कोविड-19 के खिलाफ बीसीजी वैक्सीन का नैदानिक परीक्षण महामारी के शुरुआती दिनों में शुरू हुआ जब कोविड-19 के इलाज के कम तरीके थे।
- वर्तमान में पांच देशों से 10,000 प्रतिभागी शामिल हुए और लगातार 12 महीनों तक अध्ययन करने के बाद mRNA टीके विकसित होने के बाद इसे रोक दिया गया था।
- अध्ययन ने जहां छह महीनों में 4,000 लोगों पर परीक्षण के परिणामों को जारी किया।
- बीसीजी टीका 80 से अधिक वर्षों से अस्तित्व में है और यह भारत के सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम का हिस्सा है।
- इस टीके में माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के कमजोर उपभेद शामिल हैं।
- यह तपेदिक, मेनिनजाइटिस और अन्य श्वसन पथ के संक्रमण से लड़ने के लिए दिया जाता है।

मेनिनजाइटिस (Meningitis):

- मेनिनजाइटिस रीढ़ की हड्डी और मस्तिष्क को घेरने वाले द्रव और झिल्लियों (मेनिन्जेस) की एक तीव्र या पुरानी सूजन है।
- इन झिल्लियों को मेनिन्जेस कहा जाता है।
- मैनिंजाइटिस की सूजन आमतौर पर सिरदर्द, बुखार और गर्दन में अकड़न जैसे लक्षणों को ट्रिगर करती है।
- 2021 में, WHO ने मैनिंजाइटिस को हराने के लिए पहली वैश्विक रणनीति - 'Global Roadmap to Defeat Meningitis by 2030 शुरू की।

क्षय रोग रोग के बारे में:

- टीबी एक संक्रामक रोग है जो बेसिलस माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के कारण होता है।
- यह आमतौर पर फेफड़ों (फुफ्फुसीय टीबी) के साथ मस्तिष्क, आंखों और रीढ़ जैसी अन्य अंगो को भी प्रभावित कर सकता है।
- यह बीमारी तब फैलती है जब पल्मोनरी टीबी से पीड़ित लोग बैक्टीरिया को हवा में खांसने से बाहर निकाल देते हैं।

डायरेक्ट ऑब्जर्वड ट्रीटमेंट (DOTs):

- शॉर्ट-कोर्स (डीओटीएस, जिसे टीबी-डॉट्स के रूप में भी जाना जाता है) विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अनुशंसित तपेदिक (टीबी) नियंत्रण रणनीति का नाम है।
- इसे टीबी के खतरे को रोकने के लिए भारत द्वारा भी शामिल किया गया था।

सरकारी पहल: Dare2eraD TB:

- सरकार ने 2022 में विश्व टीबी दिवस के अवसर पर जैव प्रौद्योगिकी विभाग तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा टीबी उन्मूलन के लिए डेटा-संचालित अनुसंधान- "डेयर2एराडी टीबी" शुरू करने की घोषणा की।

- युनाइटेड स्टेट्स में मस्तिष्कावरण शोथ के अधिकांश मामले वायरल संक्रमण के कारण होते हैं।
- लेकिन बैक्टीरिया, परजीवी और कवक भी इसका कारण बन सकते हैं।
- **संचरण का मार्ग -** मेनिंगोकोकस, न्यूमोकोकस और हीमोफिलस इन्फ्लुएंजा जैसे मेनिन्जाइटिस का कारण बनने वाले अधिकांश बैक्टीरिया नाक और गले से जाते हैं।
- मैनिंजाइटिस के कुछ मामलों में उपचार के साथ कुछ सप्ताह में सुधार होता है। अन्य मृत्यु का कारण बन सकते हैं और आपातकालीन एंटीबायोटिक उपचार की आवश्यकता होती है।

- Dare2eraD TB, DBT का टीबी कार्यक्रम है जिसमें निम्नलिखित प्रमुख पहलें शामिल हैं -
  - InTGS - इंडियन ट्यूबरकुलोसिस जीनोमिक सर्विलांस कंसोर्टियम
  - InTBKहब- इंडियन टीबी नॉलेज हब- वेबिनार सीरीज
  - टीबी के खिलाफ चिकित्सा और तपेदिक के इलाज के लिए एक साक्ष्य-आधारित आहार विकसित करना।
- संपूर्ण जीनोम सीक्वेंसिंग, (WSG) टीबी निगरानी के लिए भारतीय SARS-CoV-2 जीनोमिक कंसोर्टिया (INSACOG) की तर्ज पर भारतीय तपेदिक जीनोमिक सर्विलांस कंसोर्टियम (InTGS) प्रस्तावित है।

बिहान मेला

सन्दर्भ:

- 2019 के बाद से ओडिशा के नयागढ़ जिले में कोंध जनजाति के सदस्यों ने अपने त्योहा र में
  एक और कार्यक्रम, बिहान मेला जोड़ा है।

मुख्य विशेषताएं:

- बिहान मेला का अर्थ है बीज उत्सव।
- पहाड़ियों और जंगलों से घिरे दशपल्ला ब्लॉक के 40 गांवों के किसानों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।
- जैसे ही किसानों ने खरीफ फसलों (जिसमें धान, बाजरा, मक्का और ज्वार की संकर और स्वदेशी किस्में शामिल हैं) की कटाई शुरू की इसकी तैयारी शुरू हो जाती है।
- महिलाएं (जो इस त्योहार की मुख्य प्रतिभागी हैं) स्वदेशी किस्मों के बीजों को सावधानी से इकट्ठा करती हैं और उन्हें मिट्टी के बर्तनों में जमा करती
- वे उन्हें एक बांस की टोकरी में रखती हैं और सिर पर लादकर उस गाँव में ले जाती हैं जहाँ मेले का आयोजन किया जा रहा होता है।
- इनके साथ ढोल और अन्य पारंपरिक वाद्य यंत्र बजाते हुए पुरुष होते हैं।

महत्व :

- ओडिशा के कोंध गांवों में ज्यादातर सीमांत किसान हैं जो मानसून की बारिश पर निर्भर हैं।
- हाल के वर्षों में, उन्होंने अनियमित वर्षा या कीट के हमलों के कारण बार-बार फसल की विफलता का सामना किया है।

हैं।
- इसके बाद दिसंबर में एक निर्दिष्ट दिन पर, वे बर्तनों को लाल और सफेद रूपांकनों से सजाती हैं।
- इस प्रकार बीज उत्सव की शुरुआत किसानों को मिश्रित फसल जैसी खेती के अपने पारंपरिक तरीकों की ओर लौटने में मदद करने के लिए की गई थी।

मेलानिस्टिक टाइगर

सन्दर्भ:

- सिमिलिपाल टाइगर रिजर्व (एसटीआर) क्षेत्र के मुख्य क्षेत्र में एक दुर्लभ मेलानिस्टिक बाघ मृत पाया गया।

मेलानिस्टिक टाइगर के बारे में:

- मेलानिस्टिक बाघ (जिसे काले बाघ के रूप में भी जाना जाता है) बंगाल टाइगर और अन्य बाघ उप-प्रजातियों का एक दुर्लभ रंग रूप है।
- एसटीआर ने पहली बार 2007 में मेलेनिस्टिक बाघों के होने की सूचना दी थी। 2016 की बाघ जनगणना से रिजर्व में ऐसे छह बाघों का पता चला।
- इनके पास एक आनुवंशिक स्थिति है जिसे मेलेनिज़्म कहा जाता है, जिसके परिणामस्वरूप त्वचा और बाल में गहरे वर्णक की अधिकता हो जाती है, इससे बाघ काला दिखाई देता है।
- यह अनुमान लगाया गया है कि 10,000 बाघों में से केवल 1 ही मेलेनिस्टिक होता है।
- बाघ, पैंथेरा टाइग्रिस, संकटग्रस्त प्रजातियों की IUCN लाल सूची में 'लुप्तप्राय' के रूप में सूचीबद्ध है।
- इनकी दुर्लभता के बावजूद मेलेनिस्टिक बाघों को एक अलग उप-प्रजाति के रूप में मान्यता नहीं दी गई है, क्योंकि उनका काला रंग उनके व्यवहार या पारिस्थितिक भूमिका को उस तरह प्रभावित नहीं करता जैसा कि अन्य रंग प्रजाति के बाघ (जैसे सफेद बाघ) करते हैं।
- इस रिजर्व का नाम सिमिलिपल पहाड़ी श्रृंखला के नाम पर रखा गया है, जो इसके केंद्र में स्थित है।
- यह अभ्यारण्य बाघों, हाथियों, तेंदुओं, जंगली सुअरों, भौंकने वाले हिरण, सांभर हिरण, गौर और स्तनधारियों, पक्षियों और सरीसृपों की कई अन्य प्रजातियों सहित विभिन्न प्रकार की वनस्पतियों और जीवों का घर है।
- यहाँ के पार्क अपने खूबसूरत झरनों (जिसमें बरेहीपानी और जोरांडा झरने शामिल हैं) के लिए भी प्रसिद्ध है, जो भारत के सबसे ऊंचे झरनों में से एक हैं।
- सिमिलिपाल टाइगर रिज़र्व भारत के सबसे बड़े टाइगर रिज़र्व में से एक है जिसे यूनेस्को बायोस्फीयर रिज़र्व भी नामित किया गया है।

सिमिलिपाल टाइगर रिजर्व:

- सिमिलिपाल टाइगर रिजर्व ओडिशा (भारत) के मयूरभंज जिले में स्थित एक संरक्षित क्षेत्र और वन्यजीव अभ्यारण्य है।
- यह 1956 में स्थापित किया गया था जो 2,750 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है।

कलादान मल्टीमॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट (KMTTP)

सन्दर्भ:

- कलादान मल्टीमॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट का जलमार्ग हिस्सा स्वीकृत होने के 15 साल बाद मई 2023 में चालू होने की सम्भावना है।

मुख्य विशेषताएं:

- इस परियोजना का उद्देश्य भारत और म्यांमार के बीच व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा देना और अन्य दक्षिण एशियाई देशों तक पहुंच को आसान बनाना है।
- यह लैंडलॉक वाले पूर्वोत्तर राज्यों को शेष भारत से जोड़ने और मौजूदा संकीर्ण सिलीगुड़ी कॉरिडोर पर दबाव कम करने के लिए एक रणनीतिक वैकल्पिक लिंक भी प्रदान करेगा।
- बंदरगाह बल्क कार्गो जैसे सीमेंट, दालें और खाद्यान्न का परिवहन करेगा।
- KMTTP कोलकाता को सितवे बंदरगाह से जोड़ता है, जो कलादान नदी के साथ एक जलमार्ग के माध्यम से म्यांमार के पलेटवा से जुड़ा हुआ है।
- भारत-म्यांमार सीमा पर मिजोरम में पलेटवा से ज़ोरिनपुई तक 110 किलोमीटर की सड़क बनाई जा रही है।
- ज़ोरिनपुई 100 किमी सड़क के माध्यम से लॉन्गतलाई से जुड़ा हुआ है और एक मौजूदा राजमार्ग इसे आइजोल से जोड़ता है, जो गुवाहाटी सहित अन्य पूर्वोत्तर शहरों से जुड़ा हुआ है।

द्वेषपूर्ण भाषण (Hate Speech)

सन्दर्भ:

- हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने राज्यों को अभद्र भाषा की घटनाओं पर स्वत: संज्ञान लेकर प्राथमिकी दर्ज करने और शिकायत दर्ज कराने के लिए किसी की प्रतीक्षा किए बिना अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

मुख्य विशेषताएं:

- 'अभद्र भाषा' की कोई विशिष्ट कानूनी परिभाषा नहीं है।
- सामान्य तौर पर अभद्र भाषा को भाषण पर एक
- **IPC की धारा 153A और 153B:** दो समूहों के बीच दुश्मनी और नफरत पैदा करने वाले कृत्यों को दंडित करती है।
- **आईपीसी की धारा 295ए:** ऐसे दंडनीय कृत्यों से

सीमा माना जाता है जो किसी व्यक्ति या समूह या समाज के वर्ग को घृणा, हिंसा, उपहास या अपमान के लिए उजागर करने वाले भाषण को रोकने या प्रतिबंधित करने का प्रयास करता है।

- जो भाषणों, लेखन, कार्यों, संकेतों और अभ्यावेदन से हिंसा को बढ़ावा देते हैं और समुदायों और समूहों के बीच वैमनस्य फ़ैलाने का अपराधीकरण करते हैं और इन्हें कानून के प्रावधान में 'घृणास्पद भाषण' के रूप में समझा जाता है।

अभद्र भाषा के संबंध में भारतीय कानून:

- भारत के विधि आयोग की 267वीं रिपोर्ट में अभद्र भाषा को मुख्य रूप से नस्ल, जातीयता, लिंग, यौन अभिविन्यास, धार्मिक विश्वास और इसी तरह के संदर्भ में परिभाषित व्यक्तियों के एक समूह के खिलाफ घृणा के लिए उकसाने के रूप में वर्णित किया गया है।

संबंधित है जो जानबूझकर या दुर्भावनापूर्ण इरादे से व्यक्तियों के एक वर्ग की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाते हैं।

- **धारा 505(1) और 505(2):** ऐसी सामग्री के प्रकाशन और प्रसार को रोकने का प्रावधान करते है जो विभिन्न समूहों के बीच दुर्भावना या घृणा पैदा कर सकती है।
- **आरपीए अधिनियम 1951 की धारा 8:** भाषण की स्वतंत्रता के अवैध उपयोग के दोषी व्यक्ति को चुनाव लड़ने से रोकता है।
- **आरपीए की धारा 123(3ए) और 125:** चुनावों के संदर्भ में नस्ल, धर्म, समुदाय, जाति या भाषा के आधार पर शत्रुता को बढ़ावा देने पर रोक लगाती है और इसे भ्रष्ट चुनावी प्रथाओं के तहत शामिल करती है।

विवाह का अपरिवर्तनीय टूटना

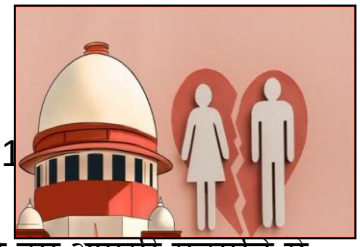

सन्दर्भ:

- हाल ही में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि वह संविधान के अनुच्छेद 1 विवेकाधीन
शक्तियों का उपयोग छह से 18 महीने की अनिवार्य प्रतीक्षा अवधि को दरकिनार करते हुए आपसी सहमति से जोड़ों को तलाक दे सकता है।

मुख्य विशेषताएं:

- अदालत ने यह भी कहा कि वह इस शक्ति का उपयोग जोड़ों के बीच लंबित आपराधिक या कानूनी कार्यवाही को रद्द करने के लिए कर सकती है, जिससे वे नए सिरे से शुरुआत कर सकें। फैसले में कहा गया है कि तलाक का मौजूदा कानून (जो मुख्य रूप से एक साथी को दोष देने

- वैवाहिक मामलों में अनुच्छेद 142 को लागू करने से पहले विवाह की अवधि, मुकदमेबाजी की अवधि और सुलह के प्रयासों जैसे कारकों पर विचार किया जाएगा।
- अदालत ने माना कि छह से 18 महीने की प्रतीक्षा अवधि जोड़ों के आत्मनिरीक्षण के लिए थी, लेकिन ऐसे मामलों में जहां तलाक अपरिहार्य था यह बिना

पर बनाया गया है) टूटी हुई शादियों को पूरा करने में विफल रहा है।

- अदालत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट अनुच्छेद 142 का उपयोग करते हुए "शादी के अपरिवर्तनीय टूटने" के आधार पर, अगर सुलह की गुंजाइश न बची हो तो वह तलाक दे सकता है।
- हालांकि, अदालत ने स्पष्ट किया कि यह शक्ति अधिकार का मामला नहीं है बल्कि एक विवेक है जिसे बहुत सावधानी के साथ प्रयोग किया जाना चाहिए।

किसी लाभ के केवल दुख और दर्द का कारण बना।

- **अनुच्छेद 142:** अनुच्छेद 142(1) के तहत सर्वोच्च न्यायालय वह सभी डिक्री या आदेश पारित कर सकता है "जो कि उसके समक्ष लंबित किसी भी मामले या निर्णय में पूर्ण न्याय करने के लिए आवश्यक है।
- **नोट:** यह निर्णय संविधान पीठ (जिसमें जस्टिस संजय किशन कौल, संजीव खन्ना, ए.एस. ओका, विक्रम नाथ और जे.के. माहेश्वरी शामिल थे) ने फैसला सुनाया।

गंगा डॉल्फिन

सन्दर्भ:

- हाल ही में मोटे तौर पर बुने हुए मछली पकड़ने के जालों के कारण गंगा एक गंगा डॉल्फिन की मौत हो गई है, जिससे पश्चिम बंगाल के मत्स्यपालन और वन अधिकारियों को संकट में डाल दिया है।

मुख्य विशेषताएं:

- मछुआरा समुदायों द्वारा गंगा नदी में अधिकतर वर्षों से मोटे तौर पर बुने हुए मछली पकड़ने के जालों के प्रयोग से लुप्तप्राय गंगा डॉल्फ़िन को नुकसान हो रहा है।

गंगा डॉल्फिन के बारे में:

- यह दुनिया भर में पाई जाने वाली नदी डॉल्फ़िन की पाँच प्रजातियों में से एक है। यह मुख्य रूप से भारतीय उपमहाद्वीप (विशेष रूप से गंगा-ब्रह्मपुत्र-मेघना और कर्णफुली-सांगु नदी) में पाई जाती है। एक वयस्क डॉल्फिन का वजन लगभग 70 किलो से 90 किलो के बीच हो सकता है।
- गंगा डॉल्फिन का प्रजनन काल जनवरी से जून तक रहता है।
- भारत के राष्ट्रीय जलीय पशु के रूप में गंगा नदी की डॉल्फिन।
- संरक्षण की स्थिति :
  - IUCN रेड लिस्ट- लुप्तप्राय (Endangered)
  - WPA अधिनियम 1972 - अनुसूची 1
  - साइट्स- परिशिष्ट I
  - सीएमएस- परिशिष्ट 2

संक्षिप्तसुर्खियां

कमांड साइबर	**सन्दर्भ:**

ऑपरेशंस और सपोर्ट विंग्स

- भारतीय सेना ने कमांड साइबर ऑपरेशंस एंड सपोर्ट विंग्स (CCOSWs) स्थापित करने और साइबर स्पेस सहित विशिष्ट तकनीकों को शामिल करने और लड़ने की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए लीड निदेशालयों और टेस्ट बेड संरचनाओं को नामित का निर्णय लिया है।

मुख्य विशेषताएं:

- CCOSW भारतीय सेना को प्रतिकूल साइबर नेटवर्क की सुरक्षा करने में और युद्ध क्षमताओं का मुकाबला करने में सहायता करेगा।
- साइबरस्पेस अब पारंपरिक और ग्रे ज़ोन संचालन के लिए एक महत्वपूर्ण डोमेन और CCOSW तत्परता के स्तर को बढ़ायेगा।
- भारतीय सेना तेजी से नेट केंद्रितता की ओर बढ़ रही है, जो सभी स्तरों पर आधुनिक संचार प्रणालियों पर निर्भर है।
- लड़ाकू क्षमता को बढ़ाने के लिए सेना में ड्रोन, आवारा हथियार प्रणाली * loiter weapon systems) और ड्रोन-विरोधी उपकरण सहित कई तकनीकी-सक्षम उपकरण शामिल हैं।
- सेना कमांडरों का सम्मेलन एक प्रभावी और घातक लड़ाकू बल को बनाए रखने के लिए तकनीकी मानव संसाधन क्षमताओं की समीक्षा के महत्व को बढ़ाता है।
- सेना जनवरी 2024 से 3+1 टीईएस मॉडल में शिफ्ट होकर, बीटेक स्नातकों के अधिकारियों के लिए तकनीकी प्रवेश योजना को संशोधित करेगी।
- सेना के सूत्रों के अनुसार चार साल का प्रशिक्षण मॉडल एक अतिरिक्त वर्ष के लिए युवा अधिकारियों की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा।

शीलभट्टारिका

सन्दर्भ:

- हाल ही में पुणे में भंडारकर ओरिएंटल रिसर्च इंस्टीट्यूट (BORI) के शोधकर्ताओं ने चालुक्य वंश से संबंधित तांबे की प्लेट के पांडुलिपियों को डिकोड किया है।

मुख्य विशेषताएं:

- ये पांडुलिपियाँ 7वीं शताब्दी की संस्कृत कवयित्री शिलाभट्टारिका के बारे में नई जानकारी प्रदान करती हैं, जिन्हें पहले 8वीं शताब्दी के राष्ट्रकूट शासक ध्रुव की पत्नी माना जाता था। हालाँकि, नई खोजी गई जानकारी से पता चलता है कि शिलाभट्टारिका वास्तव में "सत्यश्रया" की बेटी थी, जो चालुक्य सम्राट बादामी के पुलकेशिन द्वितीय से जुड़ी एक उपाधि थी।
- शीलभट्टारिका की कविता पांचाली शैली का अनुसरण करती है, जो शब्दों और

	उनके अर्थ के बीच संतुलन पर जोर देती है।
कालेसर राष्ट्रीय उद्यान 	**सन्दर्भ:** • हरियाणा वन विभाग ने कालेसर राष्ट्रीय उद्यान (केएनपी) में कैमरे में कैद बाघ के पैरो के निशान से उसकी तलाश शुरू कर दी है। **मुख्य विशेषताएं:** • कालेसर राष्ट्रीय उद्यान भारतीय के हरियाणा राज्य के यमुनानगर जिले में स्थित एक संरक्षित क्षेत्र है। • यह पार्क लगभग 50 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है जो बाघों, तेंदुओं, हाथियों और हिरणों की विभिन्न प्रजातियों सहित वनस्पतियों और जीवों की एक विविध श्रेणी का आवास है।
ब्लूबगिंग 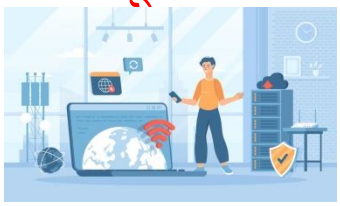	**सन्दर्भ:** • हाल ही में आंध्र प्रदेश पुलिस ने साइबर अपराध के मामलों में वृद्धि पर चिंतित होते हुए लोगों को "ब्लूबगिंग" से सावधान रहने के लिए कहा है। **ब्लूबगिंग:** • ब्लूबगिंग एक ऐसी तकनीक है जो हैकर्स को ब्लूटूथ-सक्षम उपकरणों पर उन मोबाइल कमांड को एक्सेस करने की अनुमति देती है जो कि सर्च मोड में हैं। • एक बार किसी उपकरण या फोन के ब्लूबग हो जाने पर एक हैकर कॉल सुन सकता है, संदेश पढ़ और भेज सकता है और संपर्क चुरा सकता है और उन्हें संशोधित कर सकता है। • प्रारंभ में ब्लूबगिंग ने ब्लूटूथ क्षमता वाले कंप्यूटर को छिपकर सुनने या बग करने पर ध्यान केंद्रित किया। स्मार्टफोन के बढ़ते इस्तेमाल के साथ साइबर अपराधी मोबाइल फोन हैक करने की तरफ शिफ्ट हो गए हैं। • यह हमला अक्सर ब्लूटूथ कनेक्शन की सीमा के कारण सीमित होता है, जो केवल 10 मीटर तक जाता है। कुछ हमलावर अपने हमले की सीमा को बढ़ाने के लिए बूस्टर एंटेना का उपयोग करते हैं।

MCQ, Current Affairs, Daily Pre Pare